वट वृक्ष

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता

समाचार-पत्र, जुलाई-सितंबर 2025

महानिदेशक की कलम से

प्रिय पाठक,

मुझे वित्तीय वर्ष 2025-26 के समाचार-पत्र "वट वृक्ष" के द्वितीय तिमाही के समाचार-पत्र प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही हैं। इस अंक के मुखपृष्ठ पर भव्य एस्प्लेनेड मेंशन्स को दर्शाया गया है, जो कोलकाता के समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण है।

राजभवन के निकट शहर के मध्य भाग में स्थित, एस्प्लेनेड मेंशंस कोलकाता के सबसे प्रतिष्ठित ऐतिहासिक मेंशंस में से एक है। वर्ष 1910 में डेविड जोसेफ एज़्रा द्वारा निर्मित यह भवन अपनी उत्कृष्ट आर्ट नूवो स्थापत्य शैली के लिए प्रसिद्ध है –जो भारत में एक विशिष्ट और दुर्लभ स्थापत्य कृति है । इसका सुसज्जित और आकर्षक अग्रभाग, मेहराबदार खिड़कियाँ तथा प्रभावशाली कोने का टॉवर उस युग की परिष्कृत अभिरुचि और भव्यता को प्रतिबिंबित करता हैं।

वर्तमान में भारतीय जीवन बीमा निगम के स्वामित्व में स्थित एस्प्लेनेड मेंशन्स कोलकाता की औपनिवेशिक विरासत और उसके समृद्ध बहुसांस्कृतिक अतीत की एक गौरवपूर्ण स्मृति के रूप में आज भी विद्यमान है, जो शहर के ऐतिहासिक स्थापत्य परिदृश्य के चिरस्थायी आकर्षण का प्रतीक है।

इस तिमाही के दौरान, हमने फ्लाई प्रो (FLY Pro) प्रशिक्षण; जीआईएस पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम; रेलवे ऑडिट पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम; पर्यवेक्षकों और डी.आर.ए.ए.ओ/डी.पी.ए.ए.ओ के लिए अभिमुखी प्रशिक्षण; एम.सी.टी.पी लेवल-3; नाइम (Knime) और टैब्लू (Tableau) के माध्यम से डेटा एनालिटिक्स तथा विभिन्न सामान्य और आई.टी. प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस समाचार पत्र के माध्यम से हम अपने पाठकों को क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशिक्षण सामग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने हेतु आपका सहयोग आवश्यक है। प्रशिक्षण सामग्री में सुधार/संशोधन हेतु हम आपके विचारों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं।आप rtikolkata@cag.gov.in साइट के जरिए हमसे जुड़ सकते हैं।

मनीष कुमार
महानिदेशक
क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता

विषय-सूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ
1.	हिंदी पखवाड़ा 2025	4
2.	हिंदी कार्यशाला	7
3.	सी.एम.आई.-फ्लाई (फाइंड लीडर इन यू) प्रोफेशनल और सीनियर प्रोफेशनल कार्यक्रम	8
4.	एमसीटीपी लेवल-3	12
5.	प्रशासनिक और स्थापना संबंधी मामले	15
6.	पर्यवेक्षकों और डी.आर.ए.ए.ओ/डी.पी.ए.ए.ओ के लिए अभिमुखी प्रशिक्षण।	16
7.	जी.आई.एस. प्रौद्योगिकी पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	21
8.	रेलवे ऑडिट पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	25
9.	नाइम (Knime) और टैब्लू (Tableau) के माध्यम से डेटा विश्लेषण	27
10.	आई.टी. ऑडिट सिद्धांत एवं अभ्यास	29
11.	आई.डी.ई.ए. (IDEA) सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण।	30
12.	प्रशिक्षण कार्यक्रम (सामान्य और आईटी)	32
13.	उपयोगकर्ता कार्यालयों द्वारा प्रयुक्त प्रशिक्षण सुविधाएँ	33
14.	एस.टी.एम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ	34
15.	उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि. के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।	35
16.	संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत एवं विशेषज्ञ संकाय सदस्य)	37
17.	प्रश्नोत्तरी	43
18.	प्रश्नोत्तरी के उत्तर	44

हिंदी पखवाड़ा 2025

कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा 2025 का आयोजन अत्यंत उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता के साथ हुआ। पखवाड़ा का शुभारंभ 14 सितंबर 2025 को उद्घाटन समारोह के साथ हुआ, जिसमें राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

हिंदी पखवाड़ा 2025 के दौरान आशुभाषण प्रतियोगिता, हिंदी टंकण प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता, राजभाषा हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनसे अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी रचनात्मकता तथा भाषायी कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और मनोयोग के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया, जिससे यह समारोह जीवंत और सार्थक बन गया। समापन समारोह के दौरान महानिदेशक ने हिंदी पत्रिका 'ज्ञान अमृत' के चतुर्थ अंक का विमोचन किया। उन्होंने सभी योगदानकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए शासकीय कार्यों में हिंदी के प्रयोग को और अधिक सुदृढ़ करने के महत्व पर बल दिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा सभी प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना की गई।

हिंदी पखवाड़ा 2025 ने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सफलतापूर्वक सुदृढ़ किया तथा सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और समावेशी कार्य वातावरण को प्रोत्साहित किया।

SUPREME AUDIT INSTITUTION
लोकहितार्थ
Dedicated to

क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी एवं मुख्य संकाय श्री रंजन दास द्वारा दीप प्रज्वलन कर हिंदी पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ किया गया।

महानिदेशक ने हिंदी पखवाड़ा 2025 के दौरान कर्मचारियों को संबोधित किया तथा 'ज्ञान अमृत' के चतुर्थ संस्करण का विमोचन किया।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता से श्री सतीश एम., उप महालेखाकार एवं श्री शिशिर कुमार श्रीवास्तव, उप महालेखाकार हिंदी पखवाड़ा 2025 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे।

श्री सोनु कुमार साव, कनिष्ठ अनुवादक, गृह मंत्री,श्री अमित शाह के संदेश पाठ को पढ़ते हुए।

हिंदी टंकण प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी

हिंदी कार्यशाला

24 सितंबर 2025 को आरसीबीकेआई, कोलकाता में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एक वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, एक सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी तथा एक वरिष्ठ लेखापरीक्षक ने भाग लिया। श्री सोनु कुमार साव, कनिष्ठ अनुवादक, आरसीबीकेआई, कोलकाता ने सत्रों का संचालन किया और अपनी विशेषज्ञता साझा की।

श्री सोनु कुमार साव ने प्रतिभागियों को राजभाषा नीति, अधिनियम एवं नियमों के बारे में अवगत कराया तथा हिंदी टिप्पण एवं आलेखन कौशल पर उपयोगी प्रशिक्षण भी प्रदान किया।
इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों की उनके शासकीय कार्यों के लिए हिंदी भाषा में दक्षता और कार्यकुशलता को बढ़ाना था।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सीएमआई-फ्लाई (फाइंड लीडर इन यू) पेशेवर एवं वरिष्ठ पेशेवर कार्यक्रम

कॉम्पिटिटिवनेस माइंडसेट इंस्टिट्यूट (सीएमआई) एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसकी स्थापना वर्ष 2017 में प्रिंसटन, न्यू जर्सी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में हुई थी। यह संस्थान वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी तथा नैतिक मूल्यों से प्रेरित भारतीय कार्यबल को पोषित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्रदान करता है। सीएमआई कार्यरत पेशेवरों में प्रतिस्पर्धात्मकता, उत्पादकता और नेतृत्व क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मौलिक एवं अनुसंधान-आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करता है।

सीएमआई के सहयोग से आरसीबीकेआई, कोलकाता में 09.09.2025 से 12.09.2025 तक फ्लाई (फाइंड लीडर इन यू) पेशेवर एवं वरिष्ठ पेशेवर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सार्थक एवं व्यावहारिक कौशल विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उन्नत सक्रिय शिक्षण पद्धतियों को शामिल किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान शामिल प्रमुख विषयों में क्रॉस-कटिंग कॉन्सेप्ट्स, पहल करना, नवोन्मेष, दृढ़ता, कर्तव्यनिष्ठा तथा समस्या-समाधान शामिल थे। सत्रों का संचालन सीएमआई के प्रतिष्ठित संकाय सदस्य श्री शेखर हार्दीकर और श्री सौरभ बनर्जी द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा अच्छी प्रतिक्रिया मिली। समग्र प्रशिक्षण को 9.44 की रेटिंग प्रदान हुई, जो इसकी प्रभावशीलता और सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान आरसीबीकेआई, कोलकाता के महानिदेशक श्री मनीष कुमार, संकाय सदस्य श्री शेखर हार्दीकर तथा श्री सौरभ बनर्जी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सत्रों के दौरान संकाय सदस्य श्री शेखर हार्दीकर और श्री सौरभ बनर्जी प्रतिभागियों के साथ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ

प्रतिभागियों(बाएँ) द्वारा संकाय सदस्य श्री शेखर हार्दीकर को स्मृति-चिह्न प्रदान करते हुए तथा श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (संकाय), दवारा श्री सौरभ बनर्जी(दाएँ) को स्मृति-चिह्न प्रदान करते हए।

संकाय सदस्य श्री शेखर हार्दीकर, श्री सौरभ बनर्जी तथा श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई, कोलकाता फ्लाई-प्रो प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ।

मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम लेवल-3

वर्ष 2021 में वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों (व.ले.प.अ) तथा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (स.ले.प.अ) के लिए प्रारंभ किए गए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) का उद्देश्य विभाग में पेशेवर दक्षता, निष्पक्षता और कार्यकुशलता को सुदृढ़ करना है। इस तिमाही के दौरान संस्थान ने जुलाई और अगस्त 2025 में एमसीटीपी लेवल -3 के दो बैचों का आयोजन किया।

इन कार्यक्रमों में आवश्यक दक्षताओं के विकास पर विशेष बल दिया गया, जिनके अंतर्गत हितधारकों से संवाद, आंतरिक नियंत्रण, विश्लेषणात्मक चिंतन, धोखाधड़ी की पहचान, ई-शासन के गुण, जोखिम प्रबंधन, अनुपालन ढांचे, टीम निर्माण, तनाव प्रबंधन, नैतिकता, आईटी लेखापरीक्षा तकनीकें तथा वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों जैसे व्यापक विषयों को शामिल किया गया।

अनुभवात्मक शिक्षण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लेवल-3 (जुलाई 2025) के प्रतिभागियों ने कोलकाता स्थित मेटकाफ हॉल का दौरा किया, जबकि लेवल-3 (अगस्त 2025) के प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता का दौरा किया। प्रतिभागियों ने सभी सत्रों एवं गतिविधियों में उत्साहपूर्वक और सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे प्रशिक्षण अनुभव और अधिक समृद्ध एवं प्रभावी बना।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

दोनों कार्यक्रमों को उत्कृष्ट प्रतिक्रिया प्राप्त हुई जिसमें जुलाई बैच के लिए औसत फीडबैक स्कोर 9.10 तथा अगस्त बैच के लिए 9.80 रहा, जो इनकी समग्र प्रभावशीलता को दर्शाता है।

श्री मनीष कुमार, महानिदेशक, एमसीटीपी लेवल-3 (जुलाई 2025) प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

डॉ. पापिया उपाध्याय, एमसीटीपी लेवल-3, जुलाई 2025 के सत्र के दौरान

मेटकाफ हॉल के डे-आउट भ्रमण के दौरान एमसीटीपी लेवल-3 के प्रतिभागी।

रामकृष्ण मिशन से श्री स्वामी वेदातितानंद, एमसीटीपी लेवल-3, अगस्त 2025 प्रशिक्षण सत्र के दौरान

एमसीटीपी लेवल-3 प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ संकाय सदस्य सुश्री दीपा मित्रा

राष्ट्रीय पुस्तकालय के डे-आउट भ्रमण के दौरान प्रतिभागी।

श्री मनीष कुमार, महानिदेशक और श्री अल्तमास गाजी, उप महालेखाकार, एमसीटीपी लेवल-3 (अगस्त 2025) के प्रतिभागियों के साथ

कार्यालय प्रक्रिया सहित प्रशासनिक एवं स्थापना संबंधी मामले,विधिक मामले तथा अनुशासनात्मक कार्यवाहियाँ।

कार्यालय प्रक्रिया, विधिक मामलों तथा अनुशासनात्मक कार्यवाहियों सहित प्रशासनिक एवं स्थापना संबंधी विषयों पर 15–19 सितंबर 2025 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को 9.50 की उत्कृष्ट पाठ्यक्रम रेटिंग प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम में प्रभावी कार्यालय प्रशासन और सुशासन के लिए आवश्यक विषयों की एक व्यापक श्रृंखला को शामिल किया गया, जिनमें नैतिकता एवं मूल्य, भर्ती नियम, ग्रेडेशन सूची की तैयारी तथा सीसीएस (आचरण) नियम और सीसीएस (सीसीए) नियम, 1965 के प्रमुख प्रावधान शामिल थे। प्रतिभागियों को सूचना का अधिकार अधिनियम, बजट प्रक्रिया (बीई एवं आरई), एसी/डीसी बिल, आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डीडीओ) के कार्य तथा आईए एंड एडी से संबंधित विधिक मामलों की भी जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, सत्रों में एपीएआर प्रबंधन (APAR management), पॉश अधिनियम (PoSH Act), ओपीएस (OPS), एनपीएस (NPS) एवं यूपीएस (UPS) ढांचे, साथ ही टीए/एलटीसी नियमों और ई-एचआरएमएस पर भी चर्चा की गई, जिससे प्रतिभागियों को कुशल एवं नियमसंगत प्रशासनिक कार्य निष्पादन हेतु अद्यतन ज्ञान प्राप्त हुआ।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

पर्यवेक्षकों तथा डीआरएएओ/डीपीएएओ के लिए अभिमुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस संस्थान ने 30 जून से 08 अगस्त 2025 तक उपयोगकर्ता कार्यालयों के लिए एक व्यापक अभिमुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभाग के कार्यप्रणाली का एक संरचित परिचय प्रदान किया, जिसमें प्रतिभागियों को प्रमुख नियमों, विनियमों एवं मूल लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के साथ-साथ टिप्पण एवं प्रारूपण से संबंधित आवश्यक कौशलों का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

प्रतिभागियों को दैनिक कार्यों में प्रयुक्त विभिन्न आईटी अनुप्रयोगों–जैसे ओआईओएस, ई-एचआरएमएस, ई-ऑफिस, आईडिया और टेब्लो के साथ-साथ आईटी लेखापरीक्षा की आधारभूत तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। पाठ्यक्रम में व्यक्तित्व विकास तथा संप्रेषण कौशल पर भी विशेष बल दिया गया, जिससे लेखापरीक्षित संस्थाओं के साथ व्यावसायिक संवाद को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

प्रशिक्षण में उत्साह एवं संगठनात्मक संस्कृति, कर-संबंधी अवधारणाएँ, उन्नत एमएस एक्सेल विशेषताएँ, राजभाषा हिंदी, सी.ए.ए.टी, पारदर्शिता एवं सुशासन, रचनात्मक समस्या-समाधान, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन, बजट से संबंधित संवैधानिक प्रावधान, सी.ए.जी. कार्यालय में आचार संहिता के अनुपालन, करियर विकास के अवसर तथा जेंडर सेंसिटाइजेशन जैसे विषयों की व्यापक श्रृंखला को शामिल किया गया।

देश भर से आए प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों, स्थानीय विशेषज्ञों तथा आंतरिक संकाय द्वारा सत्रों का संचालन किया गया, जिन्होंने अपने विविध ज्ञान और अनुभव से कार्यक्रम को समृद्ध किया।

प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत एवं समूह असाइनमेंट के माध्यम से अपनी प्रस्तुति क्षमताओं का प्रदर्शन किया। अनुभवात्मक शिक्षण के अंतर्गत उन्होंने भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता का भ्रमण किया, जहाँ अधिकारियों ने ज्ञानवर्धक क्षेत्रीय दौरे के दौरान मार्गदर्शन प्राप्त किया।

कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा सराहना की गई तथा इसे 9.55 की उत्कृष्ट समग्र रेटिंग प्राप्त हुई।

उद्घाटन सत्र के दौरान आरसीबीकेआई, कोलकाता के वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी एवं मुख्य संकाय सदस्य श्री दीपक कुमार सिंह प्रतिभागियों के साथ।

श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, मुख्य संकाय, आरसीबीकेआई, कोलकाता, अपने सत्र के दौरान

सुश्री पूनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, मुख्य संकाय सदस्य, आरसीबीकेआई, कोलकाता, अपने सत्र के दौरान

श्री मनोज कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन), आरसीबीकेआई, कोलकाता, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के दौरे के दौरान प्रतिभागियों के साथ

डे-आउट भ्रमण की झलकियाँ

सुश्री तरनजीत कौर चौहान, इमेज कंसल्टेंट, अभिमुखी प्रशिक्षण के प्रतिभागियों के साथ।

सुश्री तरनजीत कौर चौहान, इमेज कंसल्टेंट, अभिमुखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान

सुश्री रितुंशा लालवानी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अभिमुखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), बेंगलुरु से सुश्री एम. मरगथवल्ली, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, अभिमखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान

श्री देवर्षि भुवालका, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अभिमुखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान ।

श्री गौरव कुमार ओमी, मुख्य संकाय सदस्य, आरसीबीकेआई, नागपुर, अभिमुखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान

श्री सुब्रतो बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आई.एन.जी.ए.एफ, कोलकाता, अभिमुखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान

श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अभिमुखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान

सुश्री पापिया उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, एन.एस.ओ.यू., कोलकाता, अभिमुखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) झारखंड, राँची से श्री सदानंद नस्कर, उप महालेखाकार, अभिमुखी प्रशिक्षण में अपने सत्र के दौरान

जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) स्थानिक आँकड़ों के संग्रहण, संगठन, विश्लेषण एवं दृश्यावलोकन के लिए एक डिजिटल उपकरण है। यह उपयोगकर्ताओं को परतदार मानचित्रों और इंटरैक्टिव दृश्य माध्यमों से भौगोलिक सूचनाओं को संकलित एवं प्रदर्शित करने में सक्षम बनाती है, जिससे पैटर्न की पहचान होती है और बेहतर निर्णय-निर्माण में सहायता मिलती है। सरकारी लेखापरीक्षा में जीआईएस का उपयोग सामाजिक अवसंरचना, पर्यावरण, जल संसाधन तथा भूमि उपयोग जैसे क्षेत्रों की जाँच के लिए बढ़ती जा रहा है। आईएसएसएआई 5540 जैसे मानक भी इसके महत्व को रेखांकित करते हैं, विशेषकर आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों से संबंधित लेखा परीक्षाओं में।

भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में लेखापरीक्षकों की क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता द्वारा 21 से 25 जुलाई 2025 के दौरान रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एनआरएससी, इसरो शाखा, कोलकाता में आयोजित हुआ। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम, रिमोट सेंसिंग के मूल सिद्धांत, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, जीआईएस की आधारभूत अवधारणाएँ, मानचित्र प्रक्षेपण, जीपीएस संचालन तथा लेखापरीक्षा कार्यों में भू-स्थानिक उपकरणों के व्यावहारिक अनुप्रयोग जैसे प्रमुख विषयों से परिचित कराया गया। सत्रों का संचालन एनआरएससी एवं इसरो, कोलकाता के अनुभवी वैज्ञानिकों और अभियंताओं द्वारा किया गया, जिससे सभी प्रतिभागियों को एक समृद्ध एवं व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्राप्त हुआ।

उद्घाटन सत्र के दौरान श्री मनीष कुमार, महानिदेशक तथा श्री ए. ओ. वर्गीज, उप महाप्रबंधक, आरआरएससी-ईस्ट, कोलकाता ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

श्री ए. ओ. वर्गीज, उप महाप्रबंधक, आरआरएससी-ईस्ट, कोलकाता ने श्री मनीष कुमार, महानिदेशक को स्मृति-चिह्न भेंट किया।

श्री मनीष कुमार, महानिदेशक तथा श्री ए. ओ. वर्गीज, उप महाप्रबंधक, आरआरएससी-ईस्ट, कोलकाता, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान (आरसीबीकेआई) के अधिकारियों, एनआरएससी के वैज्ञानिकों/अभियंताओं तथा जीआईएस पर आयोजित अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (एआईटीपी) के प्रतिभागियों के साथ।

जीआईएस पर आयोजित अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (एआईटीपी) के समापन सत्र के दौरान डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक (आरसी) तथा श्री ए. ओ. वर्गीज, उप महाप्रबंधक, आरआरएससी-ईस्ट, कोलकाता।

समापन समारोह की झलकियाँ

समूह अधिकारियों (प्रतिभागियों) को एनआरएससी के निदेशक एवं आरसीबीकेआई के महानिदेशक द्वारा पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत श्री मनीष कुमार, महानिदेशक; श्री ए. ओ. वर्गीज, उप महाप्रबंधक, आरआरएससी-ईस्ट, कोलकाता; आरसीबीकेआई के अधिकारी; तथा एनआरएससी के वैज्ञानिक/अभियंताओं के साथ प्रतिभागी।

रेलवे लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

रेलवे लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 22.09.2025 से 26.09.2025 तक आयोजित किया गया था, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को भारतीय रेलवे की प्रमुख वित्तीय एवं लेखांकन प्रणालियों की गहन समझ प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम में विषयों की एक व्यापक श्रृंखला को शामिल किया गया, जिसमें रेलवे लेखा की संरचना; रेलवे लेखा विभाग की भूमिकाएँ एवं दायित्व; चालू लेखा (राजस्व एवं पूंजी) तैयार करने; विनियोग लेखाओं के अंतर्गत विभिन्न अनुदानों, विवरणियों एवं लेखाएँ तैयार करने; तथा पुनर्विनियोग के महत्वपूर्ण पहलू सम्मिलित थे। सत्रों में डीआरएफ, डीएफ तथा अन्य रेलवे-विशिष्ट निधियों जैसे निधि लेखांकन के साथ-साथ विनियोग लेखाओं के अंतर्गत लेखाओं, वित्तीय विवरणों, संलग्नकों तथा अनुदानों के लेखापरीक्षा से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई।

प्रतिभागियों को इसके अतिरिक्त एकीकृत वेतन एवं लेखा प्रणाली (आई.पी.ए.एस) का परिचय भी प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत वेतन प्रक्रिया, वेतन बिल तैयार करने एवं भेजने, सार (एब्स्ट्रैक्ट) तैयार करने तथा नकद बही के प्रबंधन से संबंधित विषयों को शामिल किया गया।

यह प्रशिक्षण भारतीय रेलवे के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों, सेवानिवृत्त आईए एंड एडी अधिकारी तथा आंतरिक संकाय सदस्यों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम को उत्कृष्ट प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और इसे 9.40 की समग्र रेटिंग प्राप्त हुई।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

रेलवे लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अपने सत्र के दौरान श्रीमती मीता रॉय, ए.एफ.ए/बी एवं बी तथा पीएफए, भारतीय रेलवे की सचिव

रेलवे लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने सत्र के दौरान श्री हिरण्मय मंडल, उप वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/आईटी, पूर्व रेलवे।

नाइम (Knime) एवं टैब्लो (Tableau) के माध्यम से डेटा एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण

संस्थान द्वारा 18.08.2025 से 22.08.2025 तक नाइम (Knime) एवं टैब्लो (Tableau) के माध्यम से डेटा एनालिटिक्स पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डेटा एनालिटिक्स अर्थात् बड़े डेटा सेट्स का व्यवस्थित विश्लेषण कर सार्थक जानकारियाँ प्राप्त करना, रुझानों की पहचान करना तथा डेटा-आधारित निर्णय लेने में सहायता प्रदान करना आधुनिक लेखापरीक्षा का एक अनिवार्य घटक बन गया है। इसके अनुप्रयोग से लेखापरीक्षकों को असामान्यताओं की पहचान करने, जोखिमों का मूल्यांकन करने तथा लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की शुद्धता एवं दक्षता दोनों को बढ़ाने में सहायता मिलती है।

पाठ्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन सत्र तथा डेटाबेस के मूल सिद्धांतों के परिचय के साथ हुई। पाँच दिनों की अवधि में प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों से अवगत कराया गया, जिनमें शामिल थे:

- डेटा एनालिटिक्स की मूलभूत अवधारणाएँ
- स्ट्रिंग और न्यूमेरिक जैसे डेटा के प्रकार
- एनालिटिक्स के प्रकार
- KNIME: समग्र परिचय, बुनियादी वर्कफ़्लो तैयार करना, नोड्स को समझना, ETL प्रक्रियाएँ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण
- Tableau: डेटा की सफ़ाई और तैयारी, डिफ़ॉल्ट एवं उन्नत चार्ट निर्माण, डेटा विश्लेषण तथा व्यावहारिक केस स्टडीज़

सत्रों का संचालन बाह्य विशेषज्ञों एवं आंतरिक संकाय सदस्यों के संयोजन से हुआ। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम पर संतुष्टि व्यक्त की और उल्लेख किया कि कार्यक्रम अपने निर्धारित शिक्षण उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में सक्षम रहा।

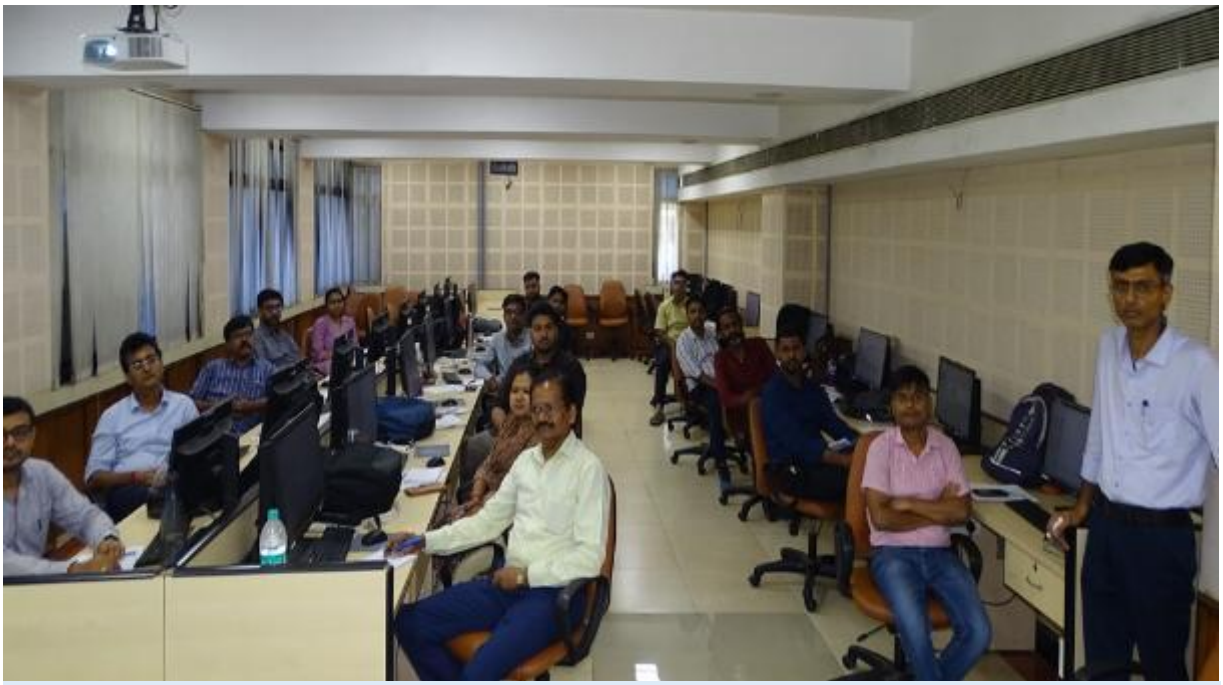

श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, मुख्य संकाय, आरसीबीकेआई, कोलकाता, KNIME एवं Tableau के माध्यम से डेटा एनालिटिक्स विषय पर अपने सत्र के दौरान।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत एवं अभ्यास पर प्रशिक्षण

सीएजी लेखापरीक्षकों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा 03.09.2025 से 12.09.2025 तक आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत एवं अभ्यास पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आईटी प्रणालियों की समझ की एक सुदृढ़ आधारशिला तैयार करना, संगठनात्मक कार्यप्रणाली में उनके बढ़ते महत्व को रेखांकित करना तथा जोखिम प्रबंधन में आईटी लेखापरीक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट करना था।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आईटी लेखापरीक्षा की योजना, तैयारी तथा कार्यप्रणाली के विकास से जुड़े प्रमुख पहलुओं से परिचित कराया गया। पाठ्यक्रम में संगठनों में आईटी प्रणालियों की कार्यप्रणाली, विभिन्न सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट लाइफ़ साइकिल (SDLC) मॉडल से संबंधित अवधारणाएँ, परियोजना शासन एवं प्रबंधन प्रथाएँ तथा हार्डवेयर की खरीद से संबंधित प्रक्रियाएँ भी सम्मिलित थीं। इसके अतिरिक्त, लेखापरीक्षकों को आईटी नियंत्रणों एवं प्रणालियों की प्रभावशीलता के मूल्यांकन हेतु डेटा एनालिटिक्स टूल्स के उपयोग से भी अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण में सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यावहारिक अभ्यासों के साथ सहजता से एकीकृत किया गया, जिससे प्रतिभागियों को मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम को प्रतिभागियों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और इसे कुल मिलाकर 9.0 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई ।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

आई.डी.ई.ए पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

आई.डी.ई.ए सॉफ़्टवेयर(इंटरएक्टिव डेटा एक्सट्रैक्शन एंड एनालिसिस) एक उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरण है, जिसका उपयोग डेटा परीक्षण, लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं तथा जांच समीक्षाओं में किया जाता है। यह लेखापरीक्षकों को विश्लेषण एवं सत्यापन में सहायता करता है, जिससे विसंगतियों की पहचान, लेखापरीक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा अनुपालन जाँच को सुदृढ़ करने में मदद मिलती है। इसके महत्व को देखते हुए, संस्थान इस सॉफ़्टवेयर के प्रभावी उपयोग हेतु विभागीय अधिकारियों के कौशल उन्नयन पर निरंतर ध्यान केंद्रित करता रहा है।

पिछली तिमाही में संस्थान में 14.07.2025 से 18.07.2025 तक आई.डी.ई.ए पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को निम्नलिखित विषयों से परिचित कराया गया:

- आई.डी.ई.ए की मुख्य विशेषताएँ एवं कार्यप्रणाली
- परियोजना एवं फ़ाइल प्रबंधन तकनीकें
- फ़ील्ड स्टैटिस्टिक्स एवं कंट्रोल फ़ीचर्स के माध्यम से डेटा सत्यापन
- विशिष्ट रिकॉर्ड्स को फ़िल्टर करने, पृथक करने तथा सहेजने की विधियाँ
- फ़ील्ड मैनिपुलेशन, नए फ़ील्ड बनाना तथा विभिन्न फ़ंक्शनों का अनुप्रयोग
- संक्षेपण तकनीकें, डुप्लिकेट्स एवं गैप्स (अंतराल) की पहचान
- एकाधिक डेटाबेस के साथ कार्य करना, जिसमें मर्जिंग एवं एपेंडिंग शामिल है
- आई.डी.ई.ए के वास्तविक समय के उपयोग को प्रदर्शित करने वाली व्यावहारिक केस स्टडीज़

कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहा गया और इसे 9.70 की उत्कृष्ट प्रतिक्रिया रेटिंग प्राप्त हुई, जो इसकी प्रभावशीलता तथा लेखापरीक्षा कार्यों में इसकी प्रासंगिकता को दर्शाती है।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

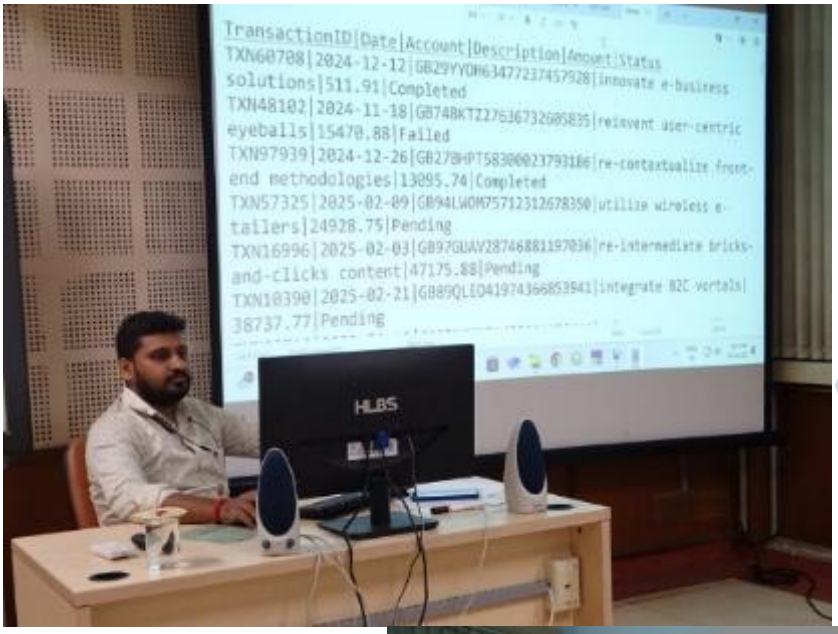

श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, मुख्य संकाय, आरसीबीकेआई, कोलकाता, अपने सत्र के दौरान

श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, मुख्य संकाय, आरसीबीकेआई, कोलकाता, अपने सत्र के दौरान

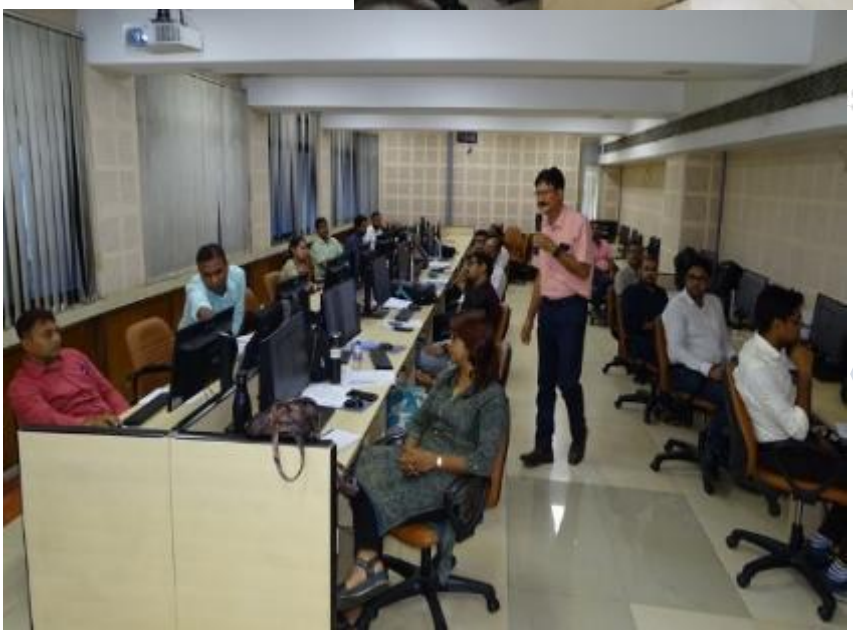

श्री बी. के. महान्ति, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त), अपने सत्र के दौरान

जुलाई से सितंबर 2025 की तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सामान्य पाठ्यक्रम	से	तक
पर्यवेक्षक एवं पदोन्नत सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए अभिमुखी प्रशिक्षण	30.06.2025	08.08.2025
एमसीटीपी लेवल–3	07.07.2025	11.07.2025
जाआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	21.07.2025	25.07.2025
अनुपालन लेखापरीक्षा	21.07.2025	25.07.2025
वीएलसी सहित आईएफएमएस का अवलोकन	11.08.2025	14.08.2025
एमसीटीपी लेवल–3	25.08.2025	29.08.2025
फ्लाई प्रो	09.09.2025	12.09.2025
प्रशासनिक एवं स्थापना संबंधी मामले सहित कार्यालय प्रक्रिया, विधिक मामले एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही	15.09.2025	19.09.2025
रेलवे लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	22.09.2025	26.09.2025
व्यय लेखापरीक्षा	23.09.2025	24.09.2025

आईएस/आईटी पाठ्यक्रम	से	तक
आई.डी.ई.ए	14.07.2025	18.07.2025
KNIME और Tableau के माध्यम से डेटा एनालिटिक्स	18.08.2025	22.08.2025
आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत एवं अभ्यास	03.09.2025	12.09.2025
पीएफएम	18.09.2025	19.09.2025

उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया गया।

आरसीबीकेआई,कोलकाता में दो आईटी लैब और एक सम्मेलन कक्ष है। संस्थान उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता करता है। जुलाई से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान आरसीबीकेआई, कोलकाता की सुविधा से निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

क्रम सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	अवधि	उपयोगकर्ता कार्यालय का नाम
1	एमएस एक्सेल	**03/07/2025 (पूर्वाह्न)**	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा–II), पश्चिम बंगाल
2	स्वायत्त निकायों, पीएसयू/ कंपनी अधिनियम की वित्तीय लेखापरीक्षा	**26/09/2025 (पूर्वाह्न)**	
3	कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग	**26/09/2025 (अपराह्न)**	

लोकहितार्थ सत्यानिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

एसटीएम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ।

केस स्टडीज़ / शोध पत्र

राजस्व क्षति एवं नियामक निरीक्षण पर आधारित केस स्टडी (असम राजस्व क्षेत्र लेखापरीक्षा रिपोर्ट, 2024 पर आधारित) तथा अनुबंध प्रशासन और उसके वित्तीय प्रभावों पर आधारित केस स्टडी (झारखंड अनुपालन लेखापरीक्षा रिपोर्ट, 2024 पर आधारित) को जुलाई 2025 में अनुमोदन हेतु मुख्यालय को भेजा गया था।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

	संकाय का नाम	कार्यालय का नाम	विषय	दिनांक	सत्रों की संख्या
1.	श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	भारत सरकार टकसाल	पॉश अधिनियम 2013	27.08.2025	2
2.	श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	भारत सरकार टकसाल	सूचना का अधिकार अधिनियम 2005	28.08.2025	2
3	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता	ओआईओस टूलकिट	02.07.2025	4
4	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा ,दक्षिण पूर्व रेलवे,कोलकाता(ऑनलाइन)	संदेह निवारण सत्र	10.09.2025	2
5	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महालेखाकार (ले.व.ह,) पश्चिम बंगाल (ऑनलाइन)	संदेह निवारण सत्र	15.09.2025	2
6	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महालेखाकार (ले.व.ह,) पश्चिम बंगाल (ऑनलाइन)	संदेह निवारण सत्र	16.09.2025	2
7	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, आरपीयू और एमआर बर्दवान शाखा (ऑनलाइन)	संदेह निवारण सत्र	18.09.2025	2
8	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, सीई, (ईएसडी), कोलकाता शाखा	लेखापरीक्षा कार्यक्रम और असाइनमेंट	09-07-2025	1
9	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा,केन्द्रीय, कोलकाता	लेखापरीक्षा उत्पादों के प्रसंस्करण का मॉड्यूल	16-07-2025	4
10	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी	कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा), बिहार; कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एएफ एवं डब्ल्यूआर), कोलकाता शाखा (ऑनलाइन)	सीएजी कनेक्ट पोर्टल के बाद ओआईओस अपडेट	02-09-2025	2

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

11	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I) पश्चिम बंगाल कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) पश्चिम बंगाल कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (ईएसडी), कोलकाता एवं बेंगलुरु शाखा. कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय, चेन्नई; (ऑनलाइन)	सीएजी कनेक्ट पोर्टल के बाद ओआईओस अपडेट	03-09-2025	2
12	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I) पश्चिम बंगाल	बीआई रिपोर्ट - रिपोर्ट निर्माण	16-09-2025	2
13	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय, कोलकाता	ओआईओस की नई विशेषताएँ	23-09-2025	4
14	श्री सन्नी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय, कोलकाता (ऑनलाइन)	प्रतिपूर्ति मॉड्यूल	13.08.2025	1
15	श्री सन्नी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, सीई, (ईएसडी), कोलकाता (ऑनलाइन)	अवकाश मॉड्यूल	11.09.2025	1
16	श्री सन्नी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	कार्यालय प्रधान निदेशक, पूर्व रेलवे, कोलकाता (ऑनलाइन)	प्रतिपूर्ति मॉड्यूल	19.09.2025	1

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहिताय सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई, कोलकाता, भारत सरकार टकसाल, कोलकाता में पॉश अधिनियम 2013 पर अपने सत्र के दौरान

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत))

श्री अवनींद्र कुमार राय, उप महालेखाकार

श्री सतीश.एम., उप महालेखाकार

श्री अल्तमश गाज़ी, उप महालेखाकार

श्री वानी श्रीराज मधुकर, उप महालेखाकार

श्री सदानंद नस्कर, उप महालेखाकार

श्रीमती मीता रॉय, एएफए/बी एंड बी और पीएफए की सचिव

श्री हिरणमय मंडल, उप. एफए और सीएओ/आईटी

श्री देवतोश प्रमाणिक, वरिष्ठ लेखा अधिकारी

सुश्री एम. मरागाथावल्ली, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री राणा देब, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

श्री सुशोभन चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्रीमती बिनु मैथ्यू, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री विनय कुमार, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री अमित बनिक, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री संदेश कुमार नागोतिया, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुब्रत कुमार मैती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री कृष्ण चंद्र कुंडू, वरिष्ठ लेखा अधिकारी

श्रीमती मधु माधवी तिर्की, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुभ्रा चक्रवर्ती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री बिस्वनाथ रॉय, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री अभिषेक रंजन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री देबासिस चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सब्यसाची प्रधान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री गौरव कुमार ओमी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी

श्री संदीप कोनार, सहायक लेखा अधिकारी

श्री सुमन भद्र, सहायक लेखा अधिकारी

श्रीमती अनिंदिता हांसदा, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री महेंद्र कुमार चौधरी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री तन्मय लस्कर, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री श्रीकांत गांटा, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री विकास चंद्र, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री दिलीप दास, सहायक लेखा अधिकारी

श्री तोतन कुमार मंडल, सहायक लेखा अधिकारी

श्रीमती बैजयंती चक्रवर्ती, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

श्री दिप्तेश मुखर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षक

क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-पूर्व, कोलकाता, एनआरएससी, इसरो के संकाय सदस्य

डॉ. ए.वी. सुरेश बाबू, वैज्ञानिक

डॉ. दिगंता बर्मन, वैज्ञानिक

डॉ. अरिंदम गुहा, वैज्ञानिक जी

डॉ. आरती पॉल, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

डॉ. साधना जैन, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

डॉ. राजदीप रॉय, वैज्ञानिक-ई

डॉ. नीरज प्रियदर्शी, वैज्ञानिक/इंजीनियर एसएफ

डॉ. तनुमी कुमार, वैज्ञानिक/इंजीनियर एसएफ

डॉ. चौ. वी. चिरंजीवी जयराम, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसएफ

श्री रवि तुलस्यान, सहायक निदेशक

श्रीमती निवेदिता सिन्हा, तकनीकी अधिकारी-सी

सुश्री नीतू चाको, वैज्ञानिक-एसई

सुश्री शर्मिष्ठा बी पांडे, वैज्ञानिक/अभियंता 'एसई'

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

कॉम्पिटिटिवनेस माइंडसेट इंस्टीट्यूट के संकाय सदस्य

श्री शेखर हार्दीकर, संस्थापक

श्री सौरभ बनर्जी, संकाय

अन्य(केन्द्रीय/राज्य)सरकार

श्री सुब्रतो बनर्जी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंट अकाउंट्स एंड फाइनेंस (INGAF)

श्री राज राजेश, निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक

श्रीमती अनन्या दत्त चौधरी, उप श्रम आयुक्त, पश्चिम बंगाल

प्रोफेसर/वैज्ञानिक

डॉ. दीपा मित्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड बिजनेस मैनेजमेंट (आईआईएसडब्ल्यूबीएम)

डॉ. पापिया उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, एनएसओयू

डॉ. झुमा मुखोपाध्याय, राज्य सहायता प्राप्त कॉलेज शिक्षक 1, आशुतोष कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय

डॉ. परिमल सरकार, सहायक प्रोफेसर, एनएसओयू

चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री देवर्षि भुवालका, चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट

सुश्री रितुन्शा लालवानी, चार्टर्ड अकाउंटेंट

सुश्री ज्योति सिंह, चार्टर्ड अकाउंटेंट

श्री रौशन पाठक, चार्टर्ड अकाउंटेंट

भा.ले.व.ले.वि तथा अन्य सरकारी विभागों के सेवानिवृत्त अधिकारी

श्री विकास कुमार महंती, सेवानिवृत्त, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री नवीन कुमार प्रजापति, **सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी**

श्री सागरमय मंडल, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री मोतिउर रहमान, सेवानिवृत्त, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक

श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य, सेवानिवृत्त अतिरिक्त कार्यक्रम निदेशक

श्री शंकर चट्टोपाध्याय, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

फ्रीलांस/ विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

श्री हेमंत कुमार पाल, आईटी विशेषज्ञ

सुश्री तरनजीत कौर चौहान, मुख्य सशक्तिकरण प्रशिक्षक

श्री अरिजीत घोष, विशेषज्ञ प्रशिक्षक

श्री रविकुमार शनमुगम, विशेषज्ञ संकाय

श्री स्वामी वेदतीतानंद, संवाददाता, रामकृष्ण मिशन

श्री पुरंदर सेनगुप्ता, मास्टर ट्रेनर

श्रीमती अजंता डे, संयुक्त सचिव और कार्यक्रम निदेशक, नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी

श्री राजर्षि मुखर्जी, पूर्व फैसिलिटेटर, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय

श्री अजीत कुमार चतुर्वेदी, विशेषज्ञ संकाय

श्री अनिमेष देब रॉय, विशेषज्ञ संकाय

श्री आनंद चौधरी, विशेषज्ञ प्रशिक्षक

इन-हाउस संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया

श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री राजीव कुमार साहु, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री अरुणांग्शु मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

श्री पुरंदर सेनगुप्ता, मास्टर ट्रेनर (आरसीबीकेआई के विशेषज्ञ संकाय), ने भविष्य की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी पुस्तक 'डिज़ाइन थिंकिंग एंड एजाइल मेथडोलॉजी' श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई, कोलकाता को भेंट की।

प्रश्नोत्तरी

1. हिंदी पखवाड़ा मनाने का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क. क्षेत्रीय भाषाओं को प्रतिस्थापित करना।

ख. हिंदी को राजभाषा के रूप में प्रोत्साहित करना ।

ग. नई भाषा नीति को लागू करना।

घ. सरकारी दस्तावेज़ों की संख्या कम करना।

2. हिंदी पखवाड़ा सामान्यतः कितने दिनों तक मनाया जाता है?

क. एक दिन

ख. एक सप्ताह

ग. दस दिन

घ. दो सप्ताह

3. मध्यावधि करियर प्रगति का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क. प्रारंभिक स्तर का प्रशिक्षण

ख. कौशल संवर्धन तथा अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ

ग. सेवानिवृत्ति की योजना

घ. विकास रहित कार्य आवर्तन

4. ऑडिट में जीआईएस के उपयोग का मुख्य लाभ क्या है?

क. मैनुअल डेटा प्रविष्टि में होने वाली त्रुटियों को कम करना।

ख. स्थानिक डेटा के विश्लेषण और दृश्यांकन को प्रभावी बनाना।

ग. वित्तीय लेन-देन की प्रक्रिया को तेज़ करना।

घ. ग्राहक सेवा प्रतिक्रियाओं को स्वचालित करना ।

5. KNIME का उपयोग मुख्य रूप से किस उद्देश्य के लिए किया जाता है?

क. जटिल प्रोग्रामिंग कोड लिखना।

ख. डेटा एकीकरण, विश्लेषण और कार्यप्रवाह स्वचालन।

ग. डेटाबेस प्रबंधन।

घ. नेटवर्क सुरक्षा परीक्षण।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा Tableau का सबसे उपयुक्त वर्णन करता है?

क. डेटा माइनिंग की एक भाषा।

ख. एक स्प्रेडशीट अनुप्रयोग।

ग. डेटा दृश्यांकन और व्यवसायिक बुद्धिमत्ता उपकरण।

घ. ऑपरेटिंग सिस्टम।

7. प्रशासनिक तथा स्थापना संबंधी कार्यों का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क. राजस्व सृजन बढ़ाना

ख. संगठन के सुचारु कार्य संचालन में सहयोग करना।

ग. नीतिगत अनुपालन को हटाना

घ. केवल शीर्ष प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना।

8. भारतीय रेलवे के खातों का ऑडिट करने के लिए कौन-सा प्राधिकारी उत्तरदायी है?

क. रेलवे बोर्ड

ख. रेल मंत्रालय

ग. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

घ. केंद्रीय सतर्कता आयोग

9. IDEA का उपयोग मुख्य रूप से किस प्रकार के ऑडिट के लिए किया जाता है??

क. सामाजिक लेखापरीक्षा

ख. पर्यावरण लेखापरीक्षा

ग. कंप्यूटर सहायित लेखापरीक्षा (CAATs)

घ. मानव संसाधन लेखापरीक्षा

10. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से तात्पर्य है:

क केवल गणना कार्यों के लिए कंप्यूटरों की प्रोग्रामिंग।

ख. मशीनों को मानव जैसी बुद्धिमत्ता का अनुकरण करने में सक्षम बनाना।

ग. भारी मात्रा में डेटा संग्रह करना।

घ. कंप्यूटर हार्डवेयर का डिजाइन करना।

उत्तर पृष्ठ संख्या 31 पर दिया गया

<u>प्रश्नोत्तरी के उत्तर</u>

1. ख 6. ग

2. घ 7. ख

3. ख 8. ग

4. ख 9. ग

5. ख 10. ख

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता

तीसरा एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, 5वीं मंजिल (ए विंग),डीएफ ब्लॉक,

सॉल्ट लेक, सेक्टर - I, कोलकाता - 700064

दूरभाष नंबर. 033- 23213907/6708

ईमेल: rtikolkata@cag.gov.in